

अरुणाचल प्रदेश और असम विवाद

प्रलिस के लयः

असम-अरुणाचल प्रदेश सीमा वलवद, संवधन का अनुच्छेद 263.

मेन्स के लयः

पूर्वोत्तर सीमा वलवद और संबंघतल मुददे तथा आगे की राह

चरचा में क्यों?

हाल ही में अरुणाचल प्रदेश और असम की सरकारों ने सीमा वलवदों के समाधान हेतु ज़लला स्तरीय समतलतलतल (District-level Committees) को गठतल करने का नरुणय लयल है ।

- ये ज़लला समतलतलतल दोनों राज्यों की ऐतलहासकल परतलरेकष्य, जातलयता, नकलटता, लोगों की इच्छा और परशासनकल सुवधल के आधार पर लंबे समय से लंबतल मुददे के ठोस समाधान खोजने हेतु वलवदतल कषेत्रों में संयुक्त सर्वेकषण का कार्य करेंगी ।

प्रमुख बदु

देश में सीमा वलवदः

- असम-अरुणाचल प्रदेशः**
 - असम अरुणाचल प्रदेश के साथ 804.10 कमी की अंतर-राज्यीय सीमा साझा करता है । वर्ष 1987 में बनाए गए अरुणाचल प्रदेश राज्य का दावा है कल पारंपरकल रूप से इसके नवलसतलतल की कुछ भूमल असम को दे दी गई है ।
 - एक त्रपलकषीय समतलतल ने सफलरशल की थी कल कुछ कषेत्रों को असम से अरुणाचल में स्थानांतरतल कयल जाए । इस मुददे को लेकर दोनों राज्य न्यायालय की शरण में हैं ।
- असम-मज़ोरमः**
 - मज़ोरम एक अलग केंद्रशासतल प्रदेश बनने से पहले असम का एक ज़लला हुआ करता था जो बाद में एक अलग राज्य बना ।
 - मज़ोरम की सीमा असम के कछार, हैलाकांडी और करीमगंज ज़ललों से लगती है ।
 - समय के साथ सीमांकन को लेकर दोनों राज्यों की अलग-अलग धारणाएँ बनने लगीं ।
 - मज़ोरम चाहता है कल यह बाहरी प्रभाव से आदवलसतलतल की रकषा के लयल वर्ष 1875 में अधसूचतल एक आंतरकल रेखा के साथ हो, जो मज़ो को उनकी ऐतलहासकल मातृभूमल कल हसलसा लगता है, असम का मानना है कल सीमा का नरुधरण बाद में तैयार की गई ज़लला सीमाओं के अनुसार कयल जाए ।
- असम-नगालैंडः**
 - वर्ष 1963 में नगालैंड के गठन के बाद से ही दोनों राज्यों के बीच सीमा वलवद चल रहा है ।
 - दोनों राज्य असम के गोलाघाट ज़लल के मैदानी इलाकों के बगल में एक छोटे से गाँव मेरापानी पर अपना दावा करते हैं ।
 - 1960 के दशक से इस कषेत्र में हसलक झड़पों की खबरें आती रही हैं ।
- असम-मेघालयः**
 - मेघालय ने करीब एक दर्जन कषेत्रों की पहचान की है जनल पर राज्य की सीमाओं को लेकर असम के साथ उसका वलवद है ।
- हरयलणा-हमलचल प्रदेशः**
 - दो का उत्तरी राज्यों का परवाणू कषेत्र पर सीमा वलवद है, जो हरयलणा के पंचकुला ज़लल के समीप स्थतल है ।
 - हरयलणा ने इलाके की एक बड़ी ज़मीन पर अपना दावा कयल है और **हमलचल प्रदेश पर** हरयलणा के कुछ पहाड़ी इलाके पर कब्ज़ा करने का आरोप लगाया है ।
- लददाख-हमलचल प्रदेशः**
 - लददाख और हमलचल दोनों केंद्रशासतल प्रदेश सरचू कषेत्र पर अपना का दावा करते हैं, जो लेह-मनाली राजमार्ग से यात्रा करने वालों के लयल एक प्रमुख पड़ाव बदु है ।

◦ यह क़्षेत्र हमिाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीत ज़िले और लद्दाख के लेह ज़िले के बीच स्थिति है ।

■ **महाराष्ट्र-कर्नाटक:**

- शायद देश में सबसे बड़ा सीमा विवाद बेलगाम ज़िले को लेकर महाराष्ट्र और कर्नाटक के बीच है ।
- बेलगाम में मराठी और कन्नड़ दोनों भाषी लोगों की एक बड़ी आबादी है तथा दोनों राज्यों के बीच अतीत में इस क़्षेत्र में संघर्ष हुए हैं ।
- यह क़्षेत्र अंगरेज़ों के समय **बॉम्बे प्रेसीडेंसी** का हिस्सा हुआ करता था, लेकिन वर्ष 1956 में राज्यों के पुनर्गठन के बाद इसे कर्नाटक में शामिल कर लिया गया ।

अंतरराज्यीय सीमा विवाद अनसुलझे क्यों हैं?

- **भाषायी आधार पर पुनर्गठन का विचार:** हालाँकि **राज्य पुनर्गठन आयोग, 1956** प्रशासनिक सुविधा पर आधारित था फिर भी पुनर्गठित राज्य काफी हद तक एक भाषा एक राज्य के विचार से मिलते जुलते थे ।
- **भौगोलिक जटिलता:** दूसरी जटिलता इस क़्षेत्र की रही है, जहाँ नदियाँ, पहाड़ियाँ और जंगल कई जगहों पर दो राज्यों में फैले हुए हैं व सीमाओं को भौतिक रूप से चिह्नित नहीं किया जा सकता है ।
 - औपनिवेशिक मानचित्रों ने असम के बाहर पूर्वोत्तर के बड़े इलाकों को **धने जंगलों" (Thick Forests)** के रूप में छोड़ दिया था या **उन्हें "अन्वेषित" (Unexplored) के रूप में चिह्नित** किया था ।
- **स्वदेशी समुदाय:** अधिकांश भाग के स्वदेशी समुदाय अकेले रह गए थे । प्रशासनिक सुविधा के लिये सीमाएँ "ज़रूरत" पड़ने पर ही खींची गई थीं ।
 - वर्ष **1956 के सीमांकन ने वसिंगतियों** का समाधान नहीं किया ।
 - जब **असम (वर्ष 1963 में नगालैंड, वर्ष 1972 में मज़ोरम, मेघालय, त्रिपुरा और मणिपुर तथा वर्ष 1987 में अरुणाचल प्रदेश)** से नए राज्य बनाए गए थे, तब भी इस पर ध्यान नहीं दिया गया था ।

आगे की राह

- राज्यों के बीच सीमा विवादों को वास्तविक सीमा स्थानों के उपग्रह मानचित्रण का उपयोग करके सुलझाया जा सकता है ।
- अंतर-राज्यीय परिषद को पुनर्जीवित करना अंतर-राज्यीय विवाद के समाधान का एक विकल्प हो सकता है ।
 - संविधान के अनुच्छेद 263 के तहत अंतर-राज्य परिषद से विवादों की जाँच और सलाह देने, सभी राज्यों के लिये सामान्य विषयों पर चर्चा करने और बेहतर नीति समन्वय हेतु सफ़ाई करने की अपेक्षा की जाती है ।
- इसी तरह सामाजिक और आर्थिक नियोजन, सीमा विवाद, अंतर-राज्यीय परिवहन आदि से संबंधित मामलों में प्रत्येक क़्षेत्र में राज्यों के लिये सामान्य चिन्ता के मामलों पर चर्चा करने हेतु **क़्षेत्रीय परिषदों** को पुनर्जीवित करने की आवश्यकता है ।
- भारत अनेकता में एकता का प्रतीक है । हालाँकि इस एकता को और मज़बूत करने के लिये केंद्र व राज्य सरकारों दोनों को सहकारी संघवाद के लोकाचार को आत्मसात करने की आवश्यकता है ।

यूपीएससी सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्षों के प्रश्न (PYQs)

प्रश्न. वर्ष 1953 में जब आंध्र प्रदेश को अलग राज्य बनाया गया था तब उसकी राजधानी कसि बनाया गया था? (2008)

- (a) गुंटूर
- (b) कुरनूल
- (c) नेल्लोर
- (d) वारंगल

उत्तर: (b)

- 1953 में आमरण अनशन के कारण **पोट्टी शरीरामुलु (जसि अमरजीवी कहा जाता है)** की मृत्यु के बाद, आंध्र राज्य को तेलुगू भाषी उत्तरी ज़िलों - रायलसीमा और तटीय आंध्र के समूह के साथ भाषायी आधार पर मद्रास प्रेसीडेंसी से अलग कर दिया गया था । लेकिन वर्ष 1956 में ही वर्तमान तेलंगाना का आंध्र प्रदेश में वलिय कर दिया गया था तथा यह **आंध्र प्रदेश राज्य पुनर्गठन अधिनियम, 1956** के तहत गठित होने वाला पहला राज्य बना ।
- **कुरनूल** आंध्र राज्य की राजधानी थी तथा वर्ष 1956 में हैदराबाद को आंध्र प्रदेश की राजधानी बनाया गया ।

स्रोत: द हिंदू